

RBI ने इस बैंक पर ठोका 1.4 करोड़ का जुर्माना, शेयर धड़म, निवेशक निराश

नई दिल्ली. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि उसने कुछ नियामकीय मानदंडों का पालन नहीं करने को लेकर बैंक ऑफ इंडिया पर 1.4 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। गुरुवार बैंक के शेयरों का भाव 8.52 प्रतिशत की गिरावट के बाद 128.25 रुपये के लेवल पर आ गया था। आज भी निवेशकों की निगाह कंपनी के प्रदर्शन पर रहेगी।

इस बैंक पर भी लगा जुर्माना

रिजर्व बैंक ने कुछ निर्देशों का अनुपालन नहीं करने के लिए निजी क्षेत्र के बंधन बैंक पर भी 29.55 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। बैंक ऑफ इंडिया पर जुर्माना जमा पर ब्याज दर, बैंकों में ग्राहक सेवा, कर्ज पर ब्याज दर और क्रेडिट सूचना कंपनी नियम, 2006 के प्रावधानों के उल्लंघन से संबंधित रिजर्व बैंक के निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए लगाया गया है। कल कंपनी के शेयरों का भाव 5.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 178.35 रुपये पर आकर बंद हुआ।

जोकि 52 वीक लो लेवल के 175.30 रुपये के बेहद करीब है। इस बीच, रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि इंडोस्ट्रिय कैपिटल फाइनेंस लिमिटेड पर (रिजर्व बैंक) दिशा-निर्देश, 2016 में धोखाधड़ी की निगरानी और केवाईसी निर्देशों के कुछ प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने पर 13.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि सभी मामलों में, नियामक अनुपालन में कमियों के लिए जुर्माना लगाया गया है। इसका उद्देश्य संस्थाओं द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता को प्रभावित करना नहीं है।

GDP के मोर्चे पर आई गुड न्यूज, Fitch ने भारत की रेटिंग में किया इजाफा

नई दिल्ली. फिच रेटिंग्स ने मजबूत घरेलू मांग और व्यापार एवं उपभोक्ता भरोसे में सुधार के कारण अगले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अपने अनुमान को बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान देश की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। ऐसे में फिच का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहेगी। यह सरकार के 7.6 प्रतिशत के अनुमान से थोड़ा अधिक है।



रेटिंग एजेंसी ने अपने नवीनतम 'वैश्विक आर्थिक परिदृश्य' में कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि घरेलू मांग के साथ तिमाही अनुमानों से बेहतर प्रदर्शन कर रही है। निवेश वृद्धि सालाना आधार पर 10.6 प्रतिशत बढ़ी है, जबकि निजी खपत 3.5 प्रतिशत ऊंची रही है। इसके साथ ही फिच

रेटिंग्स ने 2024 के लिए अपने वैश्विक वृद्धि के अनुमान को भी 0.3 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 2.4 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी का मानना है कि निकट भविष्य में वृद्धि की संभावनाओं में सुधार हुआ है। फिच रेटिंग्स ने अमेरिका की वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 2.1 प्रतिशत कर दिया है। दिसंबर, 2023 के वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में यह अनुमान 1.2 प्रतिशत का था।

इसमें कहा गया, "अमेरिका की वृद्धि की संभावनाएं बेहतर होने से चीन के वृद्धि अनुमान में मामूली कटौती का असर नहीं पड़ा है। चीन के वृद्धि दर के अनुमान को 4.6 से घटाकर 4.5 प्रतिशत किया गया है।" इसके साथ ही फिच रेटिंग्स ने यूरो क्षेत्र के वृद्धि के अनुमान को 0.7 प्रतिशत से संशोधित कर 0.6 प्रतिशत कर दिया है।

झूम रहा है शेयर बाजार, सेंसेक्स 602 अंक चढ़ा, निफ्टी में 0.70% की तेजी, निवेशक गदगद

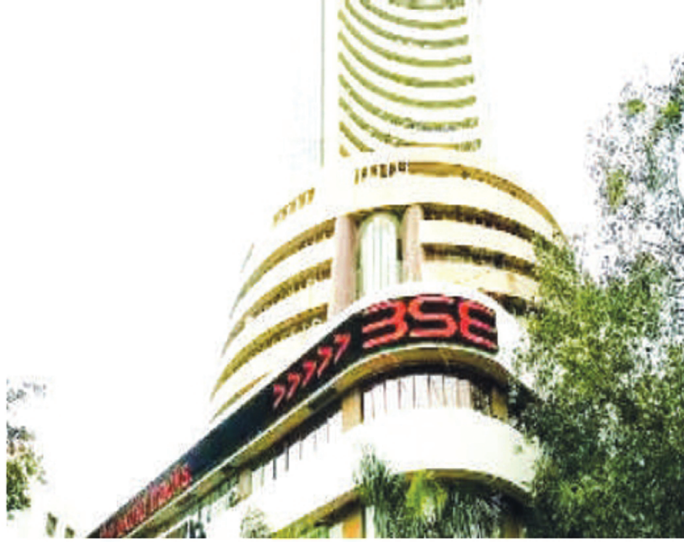
नई दिल्ली. शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी है। बीएसई सेंसेक्स कल के मुकाबले आज यानी गुरुवार को 72,570.10 पर ओपन हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 21,982.55 पर ओपन हुआ था। निवेशकों के लिए अच्छी बात यह है कि कल के मुकाबले आज शेयर बाजार में कम गिरावट देखने को मिली है। दोपहर 1.10 मिनट: भले ही आज शेयर बाजार की शुरुआत अच्छी ना रही हो लेकिन मार्केट ने जिस तरह से वापसी की है उससे निवेशकों की खुशी का ठिकाना नहीं है। दोपहर 1.10 मिनट पर बीएसई सेंसेक्स 411.99 अंक या फिर 0.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,173.88 पर ट्रेड कर रहा था। इससे पहले सेंसेक्स 602 अंकों की बढ़त के

साथ 73,364.30 अंक पर पहुंच गया था। निफ्टी में भी तेजी देखने को मिली है। एनएसई 155.05 अंक या फिर 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,152.75 पर ट्रेड कर रहा था। सुबह 11.20 बजे: शेयर बाजार आज गिरावट के साथ खुला था। लेकिन कुछ ही देर के बाद स्टॉक मार्केट में रिकवरी देखने को मिली। सुबह 11.20 मिनट पर सेंसेक्स 0.24 प्रतिशत या फिर 175.72 अंक की तेजी के साथ 72,937.61 पर ट्रेड कर रहे थे। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,075.00 अंक पर ट्रेड कर रहा था। बता दें, सेंसेक्स का इंट्रा-डे हाई 72,994.49 अंक और निफ्टी-50 का 22,098.50 अंक है।

निफ्टी में अडानी एंटर प्राइजेज, कोल

इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प, हिंदालको के शेयरों में 1 प्रतिशत से अधिक से अधिक की तेजी देखने को मिली है। दूसरी तरफ बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, जैसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है।

कल निवेशकों को हुआ था 13.47 लाख करोड़ रुपये का नुकसान शेयर बाजार में भारी बिकवाली के बीच बुधवार को निवेशकों के 13.47 लाख करोड़ रुपये डूब गए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 900 अंक से अधिक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 906.07 अंक यानी 1.23 प्रतिशत गिरकर 72,761.89 पर बंद हुआ। कारोबार दौरान यह 1,152.25 अंक तक टूट गया था।



दिल्ली में मकान चाहिए तो रेडी टू मूव बेच रहा है डीडीए, खरीदने से पहले देखें सभी डिटेल्स

नई दिल्ली. अगर आप दिल्ली में मकान खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आपके पास शानदार मौका है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) की ओर से रेडी टू मूव मकान बेचे जा रहे हैं। डीडीए की ओर से ये मकान फेस्टिवल स्पेशल हाउसिंग स्कीम के अंतर्गत बेचे जा रहे हैं। इस चरण में मकानों की बुकिंग 14 मार्च यानी गुरुवार से शुरू होगी। इसमें ईडब्ल्यूएस से एचआईजी कैटेगरी के फ्लैट 15 से 25 फीसदी की छूट पर उपलब्ध होंगे। डीडीए के मुताबिक, सभी फ्लैट रहने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। फ्रीहोल्ड होने के साथ ये पहले आओ, पहले पाओ (FCFS) के आधार पर उपलब्ध हैं। इन फ्लैट को खरीदने के इच्छुक लोग डीडीए की वेबसाइट से इस बारे



में ज्यादा जानकारी हासिल कर सकते हैं। डीडीए की उक्त आवासीय योजना के अंतर्गत ये फ्लैट नरेला, रामगढ़ कालोनी, जसोला, रोहिणी, लोकनायक पुरम और सिरसपुर में स्थित हैं। यहां हम आपको इन सभी फ्लैटों

के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। जिससे आपको किसी तरह की कोई समस्या न हो। आईए आपको बताते हैं डीडीए के इन फ्लैटों के बारे में।

छूट पर मिल रहे फ्लैट रामगढ़ कालोनी में डीडीए की

ओर से एलआईजी फ्लैट 15 फीसदी डिस्काउंट पर उपलब्ध हैं। रामगढ़ कालोनी में 211 फ्लैट बेचे जा रहे हैं। यह जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के करीब है। इन फ्लैट की कीमत 13.1-14.5 लाख रुपये से शुरू है। वहीं यहां पर डीडीए का एमआईजी फ्लैट (टू रूम प्लस लिविंग रूम) की कीमत 85 लाख रुपये तक है। वहीं जसोला में आठ एचआईजी फ्लैट करीब दो करोड़ रुपये से शुरू है। रोहिणी में 838 एलआईजी फ्लैट की शुरुआती कीमत 14.1 लाख रुपये है। सिरसपुर में 107 एलआईजी फ्लैट की कीमत 17.41 लाख रुपये से शुरू है। वहीं लोकनायकपुरम में 89 एलआईजी फ्लैट करीब 27 लाख से शुरू है।

भारत के बाद अब अमेरिका में भी बैन होगा TikTok! बिल पास, प्रतिबंध से बचने के लिए यह है शर्त

नई दिल्ली. अमेरिका की प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को एक विधेयक पारित किया, जिसके तहत लोकप्रिय वीडियो ऐप टिकटॉक का चीनी मालिक अगर इसे नहीं बेचता है तो ऐप पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाया जाएगा। अमेरिकी सांसदों ने कंपनी की वर्तमान स्वामित्व संरचना को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक खतरा मानते हुए यह कदम उठाया है। प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक के पक्ष में 352 और विपक्ष में 65 वोट पड़े, जिससे यह विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गया।

क्यों बैन करने की है तैयारी?

अब यह विधेयक सीनेट में जाएगा, जहां इसके पारित होने की संभावनाएं स्पष्ट नहीं हैं। अमेरिका में टिकटॉक के 15 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता हैं। टिकटॉक, चीनी प्रौद्योगिकी फर्म बाइटडांस लिमिटेड के पूर्ण



मालिकाना हक वाली सहायक कंपनी है। सांसदों का तर्क है कि बाइटडांस चीनी सरकार के समक्ष नतमस्तक है, जो जब चाहे अमेरिका में टिकटॉक के उपयोगकर्ताओं के डेटा तक पहुंच की मांग कर सकती है। चीन के कई सारे राष्ट्रीय सुरक्षा कानूनों से यह खतरा उभरता है,

जो संगठनों को खुफिया जानकारी एकत्र करने में सहयोग के लिए मजबूर करता है।

कैथी मैकमॉरिस रॉजर्स ने कहा, हमने टिकटॉक को साफ-साफ शब्दों में विकल्प चुनने का मौका दिया है। अपनी मूल कंपनी बाइटडांस से अलग हो जाएं, जो सीसीपी (चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी) के आगे नतमस्तक हैं और अमेरिका में अपना संचालन जारी रखें। वहीं अगर आप सीसीपी के पक्ष में हैं तो परिणाम भुगतिये। फेसलता टिकटॉक को करना है।

भारत पहले ही कर चुका है बैन

भारत पहले ही टिकटॉक सहित कई चीनी ऐप को बैन कर चुका है। भारत ने भी सुरक्षा के ही नजरिए से इस चीनी ऐप को बैन किया था। बता दें, जब भारत में यह चीनी ऐप बैन हुआ था तब इसके करोड़ों यूजर्स थे। और यह लोगों के बीच काफी लोकप्रिय था।

गोल्ड लोन देने में गड़बड़ी पर फाइनेंस मिनिस्ट्री ने बैंकों को किया आगाह, जानिए क्या है मामला



नई दिल्ली. गोल्ड लोन देने के मामले में सब कुछ ठीक नहीं है। यह बात सरकार की नजर में आई है। इस बात को लेकर चिंता बढ़ी है कि उचित मात्रा में गोल्ड गिरवी रखवाए बगैर लोन दिया जा रहा है। इससे जुड़ा रिस्क सोने के दाम तेजी से चढ़ने के चलते बढ़ गया है, क्योंकि कुछ बैंक टॉप-अप लोन भी देने लगे हैं। इसे देखते हुए फिनिस्ट्री ने सभी सरकारी बैंकों को सचेत किया है। बैंकों से कहा गया है कि वे अपने गोल्ड लोन पोर्टफोलियो की जांच-पड़ताल करें और जहां भी जरूरी हो, मामला दुरुस्त करें।

गोल्ड लोन से जुड़े मामले में ही RBI ने 4 मार्च को एक आदेश में IIFL फाइनेंस लिमिटेड को ऐसा लोन

देने से रोक दिया था। दरअसल कुछ बैंक लेंडिंग बढ़ाने की आपाधापी में जोरशोर से गोल्ड लोन देने लगे हैं। बैंकों के गोल्ड लोन में पिछले सालभर में 17 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया है। सोने का भाव तेजी से चढ़ने के चलते गोल्ड लोन से जुड़ा रिस्क बढ़ा है। सालभर में सोने का भाव भी करीब 17 प्रतिशत चढ़ा है। हाल में MCX पर गोल्ड का भाव 66356 रुपये के नए हाई पर चला गया था।

फिनिस्ट्री ने बैंकों को भेजा था पत्र

फिनिस्ट्री के सूत्रों ने बताया कि गोल्ड लोन पर इंस्टैस्ट तय करने में गड़बड़ी के अलावा यह भी देखा गया है कि कई मामलों में लोन देने

के दिन ही या उसके कुछ ही दिनों बाद कैश रीपेमेंट के जरिए एकाउंट क्लोज कर दिया गया। इसे देखते हुए फिनिस्ट्री ने बैंकों को पिछले महीने पत्र भेजा था। उनसे कहा गया कि पहली जनवरी 2022 से लेकर 31 जनवरी 2024 तक उन्होंने जो भी गोल्ड लोन दिया है, उसकी जांच-पड़ताल करें। बैंकों से कहा गया कि इन दो वर्षों में जो लोन अकाउंट क्लोज किए गए, उनकी भी जांच की जाए। आरबीआई के नियमों के

गोल्ड लोन देने में गड़बड़ी पर फिनिस्ट्री ने सभी सरकारी बैंकों को सतर्क किया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 4 मार्च को एक आदेश में आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड को ऐसा लोन देने से रोक दिया था। सोने का भाव तेजी से चढ़ने के चलते गोल्ड लोन से जुड़ा रिस्क बढ़ा है।

अनुसार, बैंक या गोल्ड लोन देने वाली फाइनेंस कंपनियां जूलरी की 75 प्रतिशत वैल्यू तक ही लोन दे सकती हैं।

जांच करने के निर्देश फिनिस्ट्री के सूत्रों ने बताया कि गोल्ड लोन पर इंस्टैस्ट तय करने में गड़बड़ी के अलावा यह भी देखा गया है कि कई मामलों में लोन देने के दिन ही या उसके कुछ ही दिनों बाद कैश रीपेमेंट के जरिए एकाउंट क्लोज कर दिया गया।

इसे देखते हुए फिनिस्ट्री ने बैंकों को पिछले महीने पत्र भेजा था। उनसे कहा गया कि पहली जनवरी 2022 से लेकर 31 जनवरी 2024 तक उन्होंने जो भी गोल्ड लोन दिया है, उसके बदले सही मात्रा में कोलेटरल गोल्ड लिया गया था या नहीं। जूलरी की वैल्यू और प्योरिटी आरबीआई के नियमों के अनुसार चेक की गई थी या नहीं। बैंकों से कहा गया है कि इन दो वर्षों में जो लोन अकाउंट क्लोज किए गए, उनकी भी जांच की जाए। आरबीआई के नियमों के

खुदरा के बाद थोक महंगाई पर भी गुड न्यूज, फरवरी में इतने फीसदी आई गिरावट

नई दिल्ली. देश में महंगाई से परेशान आम आदमी के लिए अच्छी खबर है। भारत में पिछले महीने यानी फरवरी में थोक महंगाई (Wholesale Inflation) कम होकर 0.20 फीसदी पर आ गई है। महंगाई का ये 4 महीने का निचला स्तर है। नवंबर में महंगाई 0.26 रह चुका था। खाद्य पदार्थों की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी के बावजूद थोक मुद्रास्फीति की दर फरवरी में कम हुई है।

थोक मूल्य सूचकांक (WPI) पर आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक नकारात्मक दायरे में थी, लेकिन नवंबर में यह 0.26 प्रतिशत पर सकारात्मक हो गई थी। एक साल पहले फरवरी, 2023 में महंगाई दर 3.85 प्रतिशत रही थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को थोक मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी करते हुए कहा, अखिल भारतीय डब्ल्यूपीआई संख्या पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर फरवरी 2024 के महीने में 0.20 प्रतिशत (अस्थायी) रही है।

सब्रियां हुई महंगी

आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में खाद्य मुद्रास्फीति जनवरी के 6.85 प्रतिशत से मामूली रूप से बढ़कर 6.95 प्रतिशत हो गई। सब्रियां की महंगाई दर जनवरी के 19.71 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी में 19.78 प्रतिशत हो गई। दालों की थोक महंगाई दर फरवरी में 18.48 प्रतिशत रही जबकि जनवरी में यह

16.06 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने बयान में कहा कि ईंधन और ऊर्जा खंड में महंगाई दर फरवरी में 1.59 प्रतिशत और घट



देश में थोक महंगाई में गिरावट आई है। फरवरी में थोक महंगाई कम होकर 0.20 फीसदी पर आ गई है। एक महीने पहले यह 0.27 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी किए गए डेटा के मुताबिक, फरवरी 2023 की बात करें तो थोक महंगाई तब 3.85 फीसदी रही थी।

गई। जनवरी में इस खंड में 0.51 प्रतिशत की अपस्फीति दर्ज की गई थी। इनमें आई गिरावट विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में भी जनवरी के 1.13 प्रतिशत की तुलना में 1.27 प्रतिशत की गिरावट आई। थोक मूल्य सूचकांक से थोक बाजार में उत्पादकों को मिलने वाली कीमतों के बारे

को दर्शाती है। भारतीय रिजर्व बैंक अपने मौद्रिक नीति कदमों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति को ही आधार बनाता है। कुछ दिन पहले जारी आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में खुदरा मुद्रास्फीति 5.09 प्रतिशत थी और लगातार छठे महीने आरबीआई के छह प्रतिशत के संतोषजनक दायरे के भीतर रही।